

राष्ट्रीय हथकरघा दविस

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में 7 अगस्त, 2024 को 10वाँ **राष्ट्रीय हथकरघा दविस** मनाया गया। यह दविस वर्ष 2015 से मनाया जा रहा है और यह 7 अगस्त, 1905 को **स्वदेशी आंदोलन** के शुभारंभ का प्रतीक है, जो घरेलू हथकरघा उत्पादों को बढ़ावा देने वाले स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा था।

- **अद्वितीय हथकरघा उत्पाद:** बनारसी, जामदानी, बालूचरी, मधुबनी, कोसा, इक्कत, पटोला, टसर सलिक, माहेश्वरी, मोइरंग फी, फुलकारी, लहेरिया, खंडुआ और तंगलिया।
 - **हथकरघा कपड़े** आमतौर पर उच्च गुणवत्ता वाले प्राकृतिक रेशों जैसे **कपास, लनिन, रेशम और ऊन** से बनाए जाते हैं, जो लचीले होते हैं और लंबे समय तक चलते हैं।
- **सरकारी पहल:**
 - **राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (NHDP):** हथकरघा समूहों को वित्तीय सहायता, वपिणन सहायता और पुरस्कार प्रदान करता है। 10,000 करघों के लिये 30 करोड़ रुपए के साथ मेगा क्लस्टरों को वित्तपोषित करने की योजना है।
 - **बाज़ार पहुँच पहल (MAI):** बाज़ार अनुसंधान, अंतरराष्ट्रीय वपिणन और छोटे उद्योगों के लिये समर्थन के माध्यम से नरियात को बढ़ावा देता है। यह मार्च 2026 तक प्रभावी रहेगा।
 - **कच्चा माल आपूर्ति योजना (RMSS):** यह योजना सब्सिडीयुक्त धागा उपलब्ध कराती है, रंगाई सुविधाओं में सुधार करती है, तथा हथकरघा बुनकरों को माल ढुलाई प्रत्यूति और मूल्य सब्सिडी प्रदान करती है, जो 2025-26 तक प्रभावी रहेगी।
- **हथकरघा नरियात संवर्द्धन परिषद (HPEC)** वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत एक गैर-लाभकारी एजेंसी है जिसका उद्देश्य कपड़े, घरेलू सामान और कालीन जैसे हथकरघा उत्पादों के नरियात को बढ़ावा देना है।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 2023

प्रतिवर्ष 7 अगस्त को मनाया जाता है (वर्ष 1905 में इसी दिन स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत हुई थी)

पहली बार आयोजन

- वर्ष 2015 में

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 2023

• थीम - "Handlooms for Sustainable Fashion"

- ई-पोर्टल - "भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष" की शुरुआत

भारतीय वस्त्र एवं हथकरघा उद्योग परिदृश्य

- कृषि के बाद ग्रामीण भारत हेतु दूसरा सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता
- जीडीपी में योगदान - 2%, भारत का कुल निर्यात (2020-21) - 11.4%
- 'साड़ी डिप्लोमेसी' और 'खादी डिप्लोमेसी' का साधन
- प्रमुख निर्यात केंद्र करूर, पानीपत, वाराणसी और कन्नूर
- प्रमुख आयातक - अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, इटली, फ्रांस, जापान, सऊदी अरब, ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड और संयुक्त अरब अमीरात

भारत विश्व भर में हथकरघा उत्पादों का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है

प्रोत्साहन हेतु योजनाएं

- पीएम मित्र योजना (2021)
- राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (2020)
- समर्थ (SAMARTH) योजना (2017)
- पावर-टेक्स इंडिया (2017)
- संशोधित प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (ATUFS) (2015)
- एकीकृत टेक्सटाइल पार्क योजना (SITP) (2005)



चुनौतियाँ

- असंगठित वित्तीय सहायता और बुनियादी ढाँचा
- फैशन और डिज़ाइन में उत्पाद विविधता का अभाव
- निम्न आय - 67% श्रमिक 5,000 रुपये प्रति माह से कम कमाते हैं
- बिना पेटेंट वाले हथकरघा डिज़ाइन
- WTO के तहत वस्त्र क्षेत्र में मुक्त व्यापार व्यवस्था
- पावरलूम के साथ प्रतिस्पर्धा

उद्योग में सुधार

- मार्केटिंग, ब्रांडिंग, विज्ञापन और बिक्री के लिये ई-कॉमर्स का लाभ उठाना
- "ब्रांड इंडिया" के रूप में भारतीय वस्त्रों के निर्यात को बढ़ावा देना
- बेहतर प्रबंधन और आकर्षक आय के लिये निगमीकरण और सहयोग
- पेटेंटिंग और GI टैगिंग के बेहतर अवसर
- शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग



Drishti IAS

अधिक पढ़ें: [हथकरघा क्षेत्र में सुधार](#)